श्री पा० ना० राजभोज : मेरा क्वेश्चन समझने का प्रयत्न कीजिये। मेरी मातृभाषा हिन्दी नहीं है तब भी मैं हिन्दी बोलने का प्रयत्न करता हूं। भारत में अनाज की कितनी आवश्यकता है, मैं यह पूछना चाहता हूं, और कितना अनाज सरकार इस साल लेने की सोच रही है ?

श्री ए० पी० जैन : मैं फिर दुबारा यह कहूंगा कि सवाल तो यह था कि अशोक मेहता ने जो सुझाव दिया है कि कुछ साल के लिये अग्रीमेंट किया जाय उसके ऊपर सरकार क्या कर रही है। फिर भी मैं सदस्य महोदा के प्रश्न का जवाब दूंग ।

श्री नवाब सिंह चौहान : स्टाक्स के बारे में भी मेरा प्रश्न है ।

श्री ए० पी० जैन : कुछ अनाज हमने कैनेडा से खरीदा है। कुछ कैनेडा ने हमको कोलम्बो प्लान के अधीन दिया है। कुछ अनाज, पबलिक ला ४८० के तहत जो अग्रीमेंट हुआ था, उसमें अमरीका से आना बाकी था उसे लाया जा रहा है। इसके अलावा अब कुछ और बातचीत चल रही है कि पबलिक ला ४८० में वे हमको कितना अनाज और दे सकते हैं ।

MR. CHAIRMAN: Please give the answer in English.

SHRI A. P. JAIN: We have made arrangements to import some wheat from Canada on deferred payment. Besides that Canada has given us some wheat under the Colombo Plan. There is also some balance of wheat to be imported from the United States, under the existing Public Law i80 agreement. Talks are further being held about the import of more ivheat from the United States under i fresh agreement under Public Law (80.

सिंचाई के लिये उपलब्ध पानी का पूर्ण उपयोग

*४३. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या सिंचाई तथा विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश की बड़ी बड़ी सिंचाई योजनाओं के जलाशयों का पानी अधिकतर बेकार जा रहा है और उसका सिंचाई में प्रयोग नहीं हो रहा है;

(ख) यदि ऐसा है, तो भाखरा नांगल, तूंगभद्रा, हीराकुड और दामोदर घाटी योजनाओं की इस सम्बन्ध में क्या स्थिति है ;

(ग) इनके जलाशयों में से कितना कितना पानी उपलब्ध हो सकता है और उसमें से कितना पानी सिंचाई के काम में आता है; और

(घ) सिंचाई के लिये उपलब्ध पानी के और अधिक प्रयोग के लिये सरकार क्या कर रही है ?

FULL UTILISATION OF WATER AVAILABLE FOR IRRIGATION

*43. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the Minister of IRRIGATION AND POWER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a major portion of the water of the reservoirs of big irrigation projects of the country is being wasted and is not being used for irrigation;

(b) if so, what is the position in this regard in respect of the Bhakra Nangal, Tungabhadra, Hirakud and Damodar Valley projects;

(c) what is the quantity of water available in each of their reservoirs and how much of it is being used for irrigation; and

t[ ] English translation.

(d) what efforts are being made by Government to make greater use of the water available for irrigation?]

सिंचाई तथा विद्युत मंत्री (श्री एस० के० पाटिल) : (क) यह ठीक है कि हाल ही में पूरे किये गये कुछ जलाशयों के पूरे पानी का सिंचाई के लिये उपयोग नहीं किया जा रहा है किन्तु इस विषय में यह कहना आवश्यक है कि बड़ी सिंचाई योजनाओं से ज्यादा से ज्यादा लाभ होने में, इन्जीनियरी कामों के पूरे होने के बाद लगभग १० वर्ष लगते हैं

(ख) तथा (ग). विवरण सभा पटल पर रख दिया है [देखिये परिशिष्ट २०, अनुपत्र संख्या ५]

(घ) विवरण सभा पटल पर रख दिया है [देखिये परिशिष्ट २०, अनुपत्र संख्या ६]

THE MINISTER OP IRRIGATION AND POWER (SHRI S. K. PATIL): (a^ It is true that in some of the newly completed reservoirs the stored waters are not being utilised to the fullest extent for irrigation. It may however be mentioned that maximum development under major irrigation projects takes about 10 years after the engineering works have been completed.

(b) and (c). A statement is laid on the Table of the House. *[See* Appendix XX, Annexure No. 5.].

(d) A statement is laid on the Table of the House. *[See* Appendix XX, Annexure No. 61.

श्री नवाब सिंह चौहान : जी स्टेटमेंट रखा गया है इसमें दिया हुआ है कि तुंगभद्रा में ८·३ लाख एकड़ की सिंचाई हो सकती है लेकिन होती है सिर्फ ६१ और ७६ लाख एकड़, और दामोदर वेली में जब १०·४५ लाख की कैपेसिटी है तो कोई डेढ़ लाख के करीब में सिंचाई होती है। क्या कारण है इतना पानी फाजिल रहता है, और इसको प्रयोग में लाने के लिये सरकार क्या प्रयत्न कर रही है ?

†[ ] English translation.

श्री एस० के० पाटिल: तुंगभद्रा के बारे में जो ८·३ लाख एकड़ लिखा है उसमें जो पूरा काम होना चाहिये था वह अभी तक नहीं हुआ है। वहां अभी हाइ लेविल कैनाल बनाने को है। यह बहुत सही है कि अभी तुंगभद्रा में बहुत से पानी का इंतजाम नहीं हो सकेगा और इसका कारण इस हाउस में पहले मैं बता चुका हूं कि लोगों के पास सिंचाई के लिये पैसा नहीं था, छोटे छोटे चैनल्स हमने नहीं बनाये थे और उनका इंतजाम अब हो रहा है। इसी तरह दामोदर वेली में जो यहीं १०·४४ लाख एकड़ लिखा गया है, इतने लायक तो अभी तैयार नहीं हो गया है, वह जब सब काम पूरा हो जायगा तब होगा। जब अभी जो हो गया है उसमें १ लाख ४३ हजार एकड़ में पानी जा रहा है और जब सब नहरें पूरी हो जायेंगी, छोटे छोटे वाटर कोर्सेज बन जायेंगे तब जाकर वह लक्ष्य पूरा होगा।

SHRI KISHEN CHAND: Will it not be better if all these answers are given in English? Otherwise, the time is wasted in translation into English. The hon. Questioner understands the reply in English. It will save our time.

SHRI S. K. PATIL: That is for the Chair. I am not free to do so, because the question has been asked in Hindi and I must try to reply in Hindi.

SHRIMATI T. NALLAMUTHU RAMAMURTI: We want to understand the answers, with all due respect to the Minister.

MR. CHAIRMAN: Just give a slight summary in English.

SHRI S. K. PATIL: I have said that so far as the Tungabhadra is concerned, the figure of 8-3 lakh acres is the maximum figure on full development. As it is, all works have not been completed. Yet, in spite of that it is a fact that a lot of water of the Tungabhadra is not being utilised for reasons which I have already explained in this House before,

namely, because the people have no money that they require for irrigation; the population of lands is of a different type because these canals have gone through areas where there was no population before. All these things have got to be done before the fullest utilisation of water is availed of. In so far as the Damodar Valley project is concerned, the figure of 10-44 lakh acres, the last figure is when everything is done—the canals and also the delta area, pick up gears and so on and so forth, which have not been done. Therefore, whatever was the availability, namely, 1,43,000 acres is being utilised. The other difficulties regarding money, water rates, etc., are common in all these. But this is a big thing which is constantly under review and examination both by the Planning Commission and the Ministries concerned.

श्री एच० डी० राजा : क्या गवर्मेन्ट के पास कुछ प्लान है इस सर्पलस पानी को यहां से मद्रास को ले जाने के लिये ? हमारे यहां लोग पूछते हैं कि नार्थ के पानी को साउथ में ले जाने के लिये क्या कोई प्लान गवर्मेन्ट के पास है ? यह हमको मालूम पड़ना चाहिये ।

श्री एस० के० पाटिल : हो सकता है । कुछ भी चीज हो सकती है । गवर्मेन्ट के पास अगर ५,००० करोड़ रुपये होते तो इधर का पानी वहां ले जाने की बात बन सकती थी ।

SHRI V. PRASAD RAO: It is obvious from the statement that very little of the water from Tungabhadra is being utilised. May I know what further steps are being taken so that more loans could be granted to the peasants there that are coming under the Ayacut; and more mechanical equipment are transported to that place, so that levelling of the lands coming under the Ayacut could take place in the Tungabhadra area?

SHRI S. K. PATIL: As I said, the question Is under our examination and we have promised loans and we have given loans also actually to both the Governments concerned, so that it could be utilised for the purposes of giving small loans to these farmers.

MR. CHAIRMAN: Next question.

दिल्ली के एक अस्पताल में लड़की की मृत्यु

*४४. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि १ जनवरी, १९५८ के दिन विद्यावती नाम की एक लड़की की मृत्यु दिल्ली के एक अस्पताल में आपरेशन के बाद हो गयी ;

(ख) क्या यह सच है कि आपरेशन का एक औजार जो उसके पेट में रह गया था, बाद में उसकी चिता की भस्मी में से प्राप्त हुआ ; और

(ग) क्या सरकार ने इस सम्बन्ध में कोई जांच की कार्यवाही की है ?

DEATH OF A GIRL IN A DELHI HOSPITAL

*44. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the Minister of HEALTH be pleased to state:

(a) whether it is a fact that on 1st January 1958 a girl named Vidya-wati died after she had been operated upon in a hospital at Delhi;

(b) whether it is a fact that an instrument of operation which had remained in her abdomen was found in the ashes of her body; and

(c) whether Government have instituted any enquiry in the matter?]

स्वास्थ्य मंत्री (श्री डी० पी० करमरकर) : (क) जी हां ।

(ख) पुलिस से एक रिपोर्ट मिली थी जिसमें २ जनवरी, १९५८ को श्मशान भूमि में लड़की की चिता की भस्म में से उसके

†[ ] English translation.